■ न्यू एवेन्यू ।

फैसिलिटी मैनेजमेंट

सुविधा का रोजगार

यूं तो फैसिलिटी मैनेजमेंट में जॉब पाने के लिए उम्मीदवार को बहुत ज्यादा शैक्षणिकयोग्यता की आवश्यकता नहीं पड़ती है। पर यदि कैरियर को अधिकतम ऊंचाई देनी है, तो इसमें प्रोफेशनल कोर्स भी किया जा सकता है।

प्रबंधन की दुनिया में रोजगार के नए-नए क्षेत्र आ रहे हैं। ऐसा ही एक क्षेत्र है फैसिलिटी मैनेजमेंट का। फैसिलिटी मैनेजमेंट का तात्पर्य सुविधाओं के प्रबंधन से है। दरअसल यह एक सर्विस होती है, जिसे सिलसिलेवार ढंग से उचित प्रबंधन के माध्यम से प्रस्तुत किया जाता है। अस्पताल, क्लिनिक, होटल, रिजॉर्ट, स्कूल, ऑफिस, मार्केट कॉम्पलेक्स आदि में कर्मचारियों की व्यवस्था से लेकर उनके बीच कामकाज के बंटवारे का काम फैसिलिटी मैनेजमेंट के तहत किया जाने लगा है। चाहे इलेक्ट्रिसिटी का काम हो या कारपेंटर का या फिर प्लम्बिंग, डेकोरेशन और हाउसकीपिंग जैसे मामले से लेकर सिक्योरिटी की बात हो, हर काम में इसका महत्व बढ़ गया है। यदि इसमें काम करने के इच्छुक युवाओं के पास कंप्यूटर की जानकारी हो, तो यह उनकी उन्नति के लिए फायदेमंद होगी।

आजकल मेट्रो सिटीज एवं बड़े-बड़े शहरों में फैसिलिटी मैनेजमेंट के तहत कई उपयोगी सुविधाएं उपलब्ध करायी जा रही हैं। अब तक स्थिति यही थी कि ऐसी सुविधाओं के प्रबंधन के लिए किसी खास कार्य-प्रणाली का उपयोग नहीं किया जाता था। लेकिन अब इसे व्यवस्थित रूप दे दिया गया है।

फैसिलिटी मैनेजर के काम

एक फैसिलिटी मैनेजर किसी भी संस्थान या प्रतिष्ठान में कार्यों के संचालन के लिए जिम्मेदार होता है। उसे बिल्डिंग मेंटेनेंस, मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल और प्लम्बिंग सर्विसेज मैनेजमेंट, वेंडर मैनेजमेंट, जनरल एडमिनिस्ट्रेशन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेशन और एफिशिएंट मैनेजमेंट के स्तर पर कर्मचारियों का प्रबंधन करना होता है।

विशेष योग्यता

फैसिलिटी मैनेजर के पास न सिर्फ बेहतर कम्युनिकेशन स्किल होनी चाहिए, बल्कि उसे हिंदी के साथ-साथ अंगरेजी भाषा का भी अच्छा ज्ञान होना चाहिए। यदि उसे किसी विदेशी भाषा का ज्ञान है, तो यह उसके लिए अतिरिक्त योग्यता मानी जाएगी।

पाठ्यक्रम

चूंकि इसके पाठ्यक्रम का सीधा संबंध लोगों एवं सुविधाओं से है, इसलिए रोजगार पाने वाले युवाओं में कई तरह की खूबियां होनी जरूरी हैं। इसके लिए कोर्स में ही कई तरह के सेक्शन बांटे गए हैं, जिनमें पर्सनैलिटी डेवलपमेंट, एन्वॉयरनमेंट, जनरल मैनेजमेंट, बिजनेस कम्युनिकेशन सहित कई बातों की विस्तार से जानकारी दी जाती है, ताकि सार्वजनिक एवं निजी दोनों तरह के स्थानों पर कोई भी आसानी से काम कर सके। इस पाठ्यक्रम की एक और विशेषता यह है कि इसमें छात्रों को ऐसे गुणों से परिपूर्ण कर दिया जाता है कि वे खुद को किसी भी माहौल में ढाल सकते हैं।

शैक्षणिक योग्यता

फैसिलिटी मैनेजमेंट को लेकर बहुत बड़े पैमाने पर पाठ्यक्रम नहीं कराए जाते हैं। कुछ संस्थानों में फैसिलिटी मैनेजमेंट में एक साल से भी कम अवधि का पाठ्यक्रम कराया जा रहा है। इसमें दाखिले के लिए उम्मीदवार को कम से कम स्नातक उत्तीर्ण होना चाहिए। निचले स्तर पर कैरियर बनाने के लिए सामान्य शैक्षणिक योग्यता होनी चाहिए।

अवसर

फैसिलिटी मैनेजमेंट का पाठ्यक्रम किए हुए युवाओं को सबसे बड़ा मौका कॉमनवेल्थ गेम्स जैसे आयोजनों में मिल सकता है, जहां हर स्तर पर प्रशिक्षित एवं कुशल कर्मचारियों की जरूरत होती है। होटल उद्योग एवं बड़े-बड़े निजी संस्थानों में भी ऐसे युवाओं के लिए रोजगार के अवसर रहते हैं। इस क्षेत्र की खास बात यह है कि इसमें ऊपर के स्तर पर जॉब उपलब्ध होने के साथ-साथ निचले लेवल पर भी जॉब की कोई कमी नहीं है। यदि बात करें सैलरी की तो आमतौर पर आप 3500 से 4500 रुपये के मासिक वेतन से इसमें शुरुआत कर सकते हैं। यदि आपकी नौकरी ऊपर के स्तर पर है तो निश्चय ही आपकी सैलरी भी अधिक होगी।

आनंद गोविंद भट्ट

फैसिलिटी मैनेजमेंट में हर लेवल पर अवसर

परीक्षित रॉय

विपुल फैसिलिटी मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर और सीईओ परीक्षित रॉय बताते हैं, 'इस क्षेत्र में रोजगार पाने के इच्छुक युवाओं के पास काफी उच्च स्तर की डिग्री का होना जरूरी नहीं है, पर उनका साक्षर होना आवश्यक है। आमतौर पर आठवीं या दसवीं उत्तीर्ण होना इस क्षेत्र में नौकरी की शुरुआत करने के लिए काफी है।'

'अब फैसिलिटी मैनेजमेंट को लेकर कॉरपोरेट इंडिया सजग हो चुका है और सरकार भी इस दिशा में काम कर रही है। लिहाजा जॉब के अवसर भी बढ़ रहे हैं। विशेषकर महानगरों और अन्य बड़े शहरों में फैसिलिटी मैनेजमेंट का भविष्य सुनहरा है। फैसिलिटी मैनेजमेंट का हिस्सा बनने के इच्छुक युवाओं को तेजतर्रार होना चाहिए तथा उनकी पर्सनैलिटी भी अच्छी होनी चाहिए।'

इस अंक में प्रकाशित किसी भी सलाह का उपयोग
बिना विशेषज्ञ की जानकारी के न करें। सी ऐंड ई टीम या लेखक इसके लिए जिम्मेवार नहीं होंगे।